>

Title: Need to provide road connectivity in flood affected villages in Uttar Pradesh.

श्री राधे मोहन सिंह (गाज़ीपुर): माननीय सभापति जी, आप ने ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

सभापति महोदय, आज उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बाढ़ का जो ज़िक्र हो रहा है, पैंतीस साल पहले वर्ष 1978 के बाद इस तरह की भीषण विभीषिका देखी गयी है। गाज़ीपुर, बलिया, इलाहाबाद, बनारस में गंगा का उफान इतना तेज है कि जैसे लग रहा है कि समुद्र की तरह गंगा दिखायी दे रही है। फसल से लेकर खेतों तक चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में जानवर से लेकर इंसान तक सब परेशान और बेहाल है। मैं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी को बधाई देना चाहता हूं कि जिस तरह उन्होंने कुम्भ जैसे मेले का सफल आयोजन किया, उसी तरह बाढ़ जैसी विभीषिका पर उन्होंने तीसरी बार खाद्यान्न में पांच किलो आटा, चावल, मसाला, साबुन, तेल और यहां तक कि मिट्टी के तेल आदि का सारा प्रबंध एवं सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी है। सवाल सिर्फ यह है कि मैं सिर्फ बाढ़ के लिए नहीं कह रहा हूं, मैं इसलिए कह रहा हूं कि प्रदेश सरकार द्वारा सब देने के बावजूद भी जो सबसे बड़ी समस्या है, वह वहीं की वहीं है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत उत्तर प्रदेश के बाढ़ के इलाके के गांवों को सड़कों से जोड़ दिया जाए तो मुझे लगेगा कि यह सबसे बड़ा कार्य हुआ है। बाढ़ कहां पर है? बाढ़ से जमनियां के 82 गांव, करंडा के 20 गांव और सैदपुर के 15 गांव प्रभावित हैं। आज सेना इन क्षेत्रों में काम कर रही है।

MR. CHAIRMAN: What is your demand?

श्री राधे मोहन सिंह : महोदय, मैं आपके माध्यम से सिर्फ यह चाहता हूं कि धरम्मरपुर, कटरिया, सोकनी और बड़हरिया- ये सदर तहसील के गांव हैं। जो जमनियां के गांव हैं वे बारा, गहमर, सब्बलपुर, देवरिया, पासैयदराजा हैं। सैदपुर के खरौना, पटना और मन्झरिया गांव हैं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि अगर इन गांवों को सड़कों से जोड़ दिया जाए तो आगे जब बाढ़ की विभीषिका आए और जब पानी बढ़े तो अपने जानवरों को लेकर औरत, बच्चे, मर्द सब इन सड़कों से बाहर निकल सकते हैं। इससे इन को बचाया जा सकता है। यह आपके माध्यम से हमारी मांग है।